X/14/3/2011

Series RHB/2

Code No. / कोड नं. **4/2/2**

Roll No. / रोल नं. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

संकलित परीक्षा – II

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 80*

निर्देश :
*(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*
*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*
(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

मज़दूर श्रम और शक्ति का एकीकृत रूप है । मानव-सभ्यता अपनी जंगलीपन से लेकर आज की उन्नत स्थिति तक मज़दूर के श्रम तथा शक्ति के कारण पहुँच पाई है । वह अनंतकाल से बिना आलस्य और विश्राम किए परिश्रम करता आ रहा है । उसने सतत निर्माण करने से कभी हाथ नहीं खींचे । उसके निर्माण का क्षेत्र भी अनंत है । उसने इस धरती को ही स्वर्ग बनाने के लिए बड़े-बड़े सरोवर बनाए । बड़े-बड़े पहाड़ों को काटकर मार्ग बनाए । पृथ्वी और समुद्र को खँगालकर उनके गर्भ से बहुमूल्य रत्न संसार की झोली में डालकर उसे सुखी और समृद्ध बनाया । वह सच्चे अर्थों में प्रजापति है जो सतत निष्काम कर्म में लीन रहता है । परन्तु यह कितनी बड़ी विडंबना है कि समस्त मानव-जाति का भरण-पोषण करने वाला मज़दूर आज भी काली अँधेरी कोठरियों में भूखा, नंगा रहने तथा अपमानित जीवन जीने के लिए विवश है ।

(i) मज़दूर को श्रम और शक्ति का एकीकृत रूप कहा गया है, क्योंकि

- (क) वह शक्तिशाली होता है
- (ख) श्रम करना उसका स्वभाव है
- (ग) उसमें शक्ति भी है और परिश्रम करने की आदत भी
- (घ) वह श्रम के साथ शक्ति को मिलाता है

(ii) 'हाथ खींचना' मुहावरे का अर्थ है

- (क) हाथ रोकना
- (ख) सहारा न देना
- (ग) हाथापाई करना
- (घ) लड़ पड़ना

(iii) वह सच्चे अर्थों में प्रजापति है, क्योंकि

- (क) हमेशा अधिक मज़दूरी चाहता है
- (ख) जनता की सेवा में लगा रहता है
- (ग) प्रजा के काम करता है
- (घ) सदा कर्म में लीन रहता है

(iv) मज़दूर की विडंबना क्या है ?

(क) मानव-जाति का कल्याण करना

(ख) औरों के लिए घर बनाकर स्वयं अँधेरी कोठरी में रहना

(ग) अपमानित जीवन जीना

(घ) पहाड़ों को काटकर मार्ग बनाना

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) मज़दूर और मज़दूरी

(ख) श्रम की शक्ति

(ग) मज़दूरी और लोग

(घ) मज़दूर का जीवन

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

छात्र-छात्राओं को राष्ट्र-निर्माण के आरंभिक चरण में अध्ययन के अतिरिक्त समाज-सेवा के साधारण कार्यों में भी रुचि लेनी चाहिए । छात्र-जीवन में मात्र पुस्तकीय अध्ययन-मनन उनके व्यक्तित्व को सही ढंग से विकसित नहीं कर सकता । उन्हें अपने सामाजिक परिवेश को जानना-समझना पड़ेगा । राष्ट्रीय चेतना तथा राष्ट्रीय दायित्व-बोध के लिए उन्हें सामाजिक परिवेश से जुड़ते हुए राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश के साथ भी अपने आपको जोड़ना पड़ेगा । भारत विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, भाषाओं, रहन-सहन और रीति-रिवाजों का देश है । अतः छात्र-समाज को पारिवारिक और क्षेत्रीय दायरों को समझने के साथ-साथ भारत के बृहत् समाज को भी समझना पड़ेगा एवं उसके साथ आत्मीयता स्थापित करनी पड़ेगी । समाज-सेवा राष्ट्रीय आत्मा के निकट पहुँचने का अनिवार्य साधन है । प्रत्येक छात्र एवं छात्रा के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने पड़ोसियों, मुहल्लावासियों, ग्राम एवं नगरवासियों के सुख-दुख में सम्मिलित होकर उनकी सहायता करे । रोगियों की सेवा, असहायों की सहायता, मुहल्ले की सफ़ाई, साक्षरता प्रचार, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता आदि समाज-सेवा के ऐसे कार्य हैं, जिनमें वह भाग ले सकता है । इन कार्यों से उनके व्यक्तित्व में अनुशासन, उदारता, सहकारिता, आत्मत्याग, देश-प्रेम जैसे सद्गुणों का सहज ही विकास होगा ।

(i) राष्ट्र-निर्माण के लिए छात्र-छात्राओं को किन कार्यों में रुचि लेनी चाहिए ?

(क) खेलकूद में

(ख) सरकारी कार्यों में

(ग) राजनीति के कार्यों में

(घ) समाज-सेवा के कार्यों में

(ii) समाज सेवा साधन है

(क) राष्ट्र की आत्मा को समझने का

(ख) राजनीति में प्रवेश करने का

(ग) अपने को सुखी बनाने का

(घ) मानवता की सेवा करने का

(iii) विद्यार्थी किन प्राकृतिक संकटों में लोगों की सेवा कर सकते हैं ?

(क) सड़क-दुर्घटना में

(ख) निरक्षरता दूर करने में

(ग) अकाल, बाढ़, भूकंप में

(घ) पारिवारिक विवाद में

(iv) सेवाकार्यों से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में किन गुणों का विकास होता है ?

(क) आत्मविश्वास और साहस

(ख) उदारता और सहानुभूति

(ग) सहकारिता और आत्मत्याग

(घ) सहयोग और देशभक्ति

(v) सामाजिक परिवेश से जुड़ने की आवश्यकता क्यों बताई गई है ?

(क) धर्मों और संस्कृतियों की जानकारी के लिए

(ख) चुनाव जीतने के लिए

(ग) राष्ट्रीय चेतना और दायित्व की समझ के लिए

(घ) सामाजिक बंधनों की परख के लिए

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

हृदय से तुम निकाल दो, अगर हो पस्त हिम्मती,
नहीं है खेल मात्र ये, ये ज़िंदगी है ज़िंदगी,
न रक्त है, न स्वेद है, न हर्ष है, न खेद है,
ये ज़िंदगी अभेद है, यही तो एक भेद है ।
समझ के सब चले चलो, क़दम-क़दम बढ़े चलो ॥

पहाड़ से चली नदी, रुकी नहीं कहीं ज़रा,
गई जिधर उधर किया ज़मीन को हरा-भरा,
चली समान रूप से, ज़मीन का न ख्याल कर,
मगन रही निनाद में, ज़मीन पर, पहाड़ पर,
उसी तरह चले चलो, उसी तरह बढ़े चलो ॥

जलाओ दिल के दाग़ से बुझे दिलों के दीप को,
जो दूर हैं, उन्हें भी खींच लो जरा समीप को,
सहो ज़मीन की तरह डरो न आसमान से,
जलो तो आन-बान से, बुझो तो एक शान से,
अखंड दीप-से जलो, सदा-बहार से खिलो ॥

(i) जीवन के बारे में हमें क्या समझ लेना चाहिए ?
(क) जीवन एक खेल है
(ख) जीवन में पस्त हिम्मत नहीं होना चाहिए
(ग) जीवन भेदों से भरा है
(घ) जीवन तो बस जीवन है

(ii) कौन-सा गुण नदी का नहीं है ?
(क) कहीं न रुकना
(ख) ज़मीन को हरा-भरा रखना
(ग) पहाड़ और मैदान को समान समझना
(घ) सुंदर क्षेत्रों में ही बहना

(iii) काव्यांश में युवा को किसकी भाँति सहनशील बनने को कहा गया है ?

(क) धरती

(ख) आसमान

(ग) पहाड़

(घ) दीपक

(iv) पहाड़ से निकली नदी कल-कल शब्द करती है

(क) ज़मीन पर

(ख) पहाड़ पर

(ग) मैदानों में

(घ) सर्वत्र

(v) इस काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) तेज़ चलो

(ख) चले चलो

(ग) क़दम-क़दम बढ़े चलो

(घ) नदी और हम

4. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

जय-जय भारतवर्ष हमारे, जय-जय हिंद, हमारे हिंद,
विश्व-सरोवर के सौरभमय प्रिय अरविंद, हमारे हिंद ।
तेरे स्रोतों में अक्षय जल, खेतों में है अक्षय धान,
तन से, मन से, श्रम-विक्रम से है समर्थ तेरी संतान ।
सबके लिए अभय है, जग में जन-जन में तेरा उत्थान,
बैर किसी के लिए नहीं है, प्रीति सभी के लिए समान ।
गंगा-यमुना के प्रवाह हैं अमल अनिंद्य हमारे हिंद,
जय-जय भारतवर्ष हमारे, जय-जय हिंद, हमारे हिंद ।
तेरी चक्र-पताका नभ में ऊँची उड़े सदा स्वाधीन,
परंपरा अपने वीरों की शक्ति हमें दे नित्य नवीन

सबका सुहित हमारा हित है, सार्वभौम हम सार्वजनीन,
अपनी इस आसिंधु धरा में नहीं रहेंगे होकर हीन ।
ऊँचे और विनम्र सदा के हिमगिरि, विंध्य, हमारे हिंद
जय-जय भारतवर्ष हमारे, जय-जय हिंद, हमारे हिंद ।।

(i) काव्यांश में 'सौरभमय प्रिय अरविंद' का भाव है
(क) पवित्र जल का कमल
(ख) सुगंधित और प्यारा कमल
(ग) लहरों में तैरता सुगंधित कमल
(घ) सौरभ को प्रिय कमल

(ii) भारतीय किससे समर्थ हैं ?
(क) स्रोतों के अक्षय जल से
(ख) खेतों के अक्षय धान से
(ग) तन, मन और पराक्रम से
(घ) हृदय में बसी प्रीति से

(iii) हमें नित्य नवीन शक्ति कहाँ से मिलती है ?
(क) प्राकृतिक संपत्ति से
(ख) धन, ऐश्वर्य से
(ग) खेतों-खलिहानों से
(घ) वीरों की परंपरा से

(iv) काव्यांश में भारतीयों को 'सार्वजनीन' क्यों कहा गया है ?
(क) भारतीय सब जगह हैं
(ख) भारतीयों की बात सब मानते हैं
(ग) भारतीय सबके हित में अपना हित समझते हैं
(घ) भारतीय सबकी प्रशंसा करते हैं

(v) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा
(क) जय भारतवर्ष
(ख) जय सार्वभौम
(ग) विश्वसरोवर का कमल
(घ) भारत की धरती

खण्ड ख

5\. (i) "उनकी मृत्यु का समाचार सुनकर सभी शोकमग्न हो गए ।" — वाक्य में संज्ञा पदबंध है *1*

(क) उनकी मृत्यु का

(ख) उनकी मृत्यु का समाचार सुनकर

(ग) उनकी मृत्यु का समाचार

(घ) सभी शोकमग्न

(ii) <u>गाँव से बाहर</u> एक स्कूल है — वाक्य में रेखांकित पदबंध है *1*

(क) सर्वनाम

(ख) संज्ञा

(ग) क्रिया-विशेषण

(घ) क्रिया

(iii) "राणा प्रताप बड़े <u>साहसी</u> थे" — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है *1*

(क) विशेषण, गुणवाचक, पुंल्लिग, बहुवचन

(ख) विशेषण, गुणवाचक, पुंल्लिग, एकवचन

(ग) विशेषण, सम्मानवाचक, पुंल्लिग, बहुवचन

(घ) विशेषण, परिमाणवाचक, पुंल्लिग, एकवचन

(iv) आजकल <u>नलों में</u> गंदा पानी आता है — वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है *1*

(क) संज्ञा, समूहवाचक, पुंल्लिग, बहुवचन

(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(ग) संज्ञा, भाववाचक, पुंल्लिग, बहुवचन

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, पुंल्लिग, बहुवचन

6\. (i) "अमित स्वस्थ था, परन्तु वह स्कूल नहीं गया ।" रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है *1*

(क) मिश्र

(ख) साधारण

(ग) संयुक्त

(घ) सरल

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : *1*

(क) वर्षा होने से सड़कों पर पानी भर गया ।

(ख) जैसे ही मैं घर पहुँचा, मेरे शिक्षक आ गए ।

(ग) पिताजी ने मेरे लिए कपड़े भेजे हैं ।

(घ) सच बोलने वाला किसी से डरता नहीं है ।

(iii) "अमित बीमार है । वह आज स्कूल नहीं जा सका ।" इन वाक्यों से बना सरल वाक्य है *1*

(क) अमित बीमार है इसलिए वह आज स्कूल नहीं जा सका ।

(ख) अमित बीमार है और वह स्कूल नहीं जा सका ।

(ग) अमित बीमार होने के कारण आज स्कूल नहीं जा सका ।

(घ) अमित स्कूल नहीं जा सका क्योंकि वह बीमार है ।

(iv) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है : *1*

(क) मैं जब-जब गाँव जाता हूँ तब-तब उनकी याद आती है ।

(ख) गाँव जाने पर मुझे उनकी याद आती है ।

(ग) मैं गाँव जाता हूँ और उनकी याद आती है ।

(घ) मैं गाँव जाता हूँ तो उनकी याद आती है ।

7. (i) 'प्रोन्नति' का संधि-विच्छेद है *1*

(क) प्रो + नति

(ख) प्रा + उन्नति

(ग) प्र + उन्नति

(घ) प्र + उ + नति

(ii) रजनी + ईश की संधि है *1*

(क) रजनीश

(ख) रजनेश

(ग) रजनिश

(घ) रजनीईश

(iii) 'नराधम' समस्त पद का विग्रह है 1

(क) नरों से अधम

(ख) नरों में अधम

(ग) नरों का अधम

(घ) नरों के लिए अधम

(iv) 'कमल के समान चरण' का समस्त पद है 1

(क) कमल-चरण

(ख) कमलसम चरण

(ग) चरण-कमल

(घ) चरणसम कमल

8. (i) कुश्ती में उसने अच्छे-अच्छे पहलवानों के ________ दिए । उपयुक्त मुहावरे से वाक्य पूरा कीजिए । 1

(क) उँगली उठाना

(ख) छठी का दूध याद दिलाना

(ग) छक्के छुड़ाना

(घ) तारे दिखाना

(ii) सोम साधारण बुद्धि का छात्र है परन्तु अपनी विद्वत्ता की शेखी बघारता रहता है । ठीक ही कहा है 1

(क) न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी

(ख) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

(ग) गंगा गए गंगा दास यमुना गए यमुना दास

(घ) अधजल गगरी छलकत जाए

(iii) "मुँह की खाना" मुहावरे का अर्थ है 1

(क) मुँह से खाना

(ख) मुँह बिचकाना

(ग) हार जाना

(घ) हरा देना

(iv) 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' लोकोक्ति का आशय है *1*

(क) कड़े दिल वाला होना चाहिए

(ख) मनमौजी होना अच्छा है

(ग) मन का पवित्र होना महत्त्वपूर्ण है

(घ) मन चाहे तो गंगा मान लो

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) मेरे को कुछ नहीं चाहिए ।

(ख) तुम तुम्हारा काम किया करो ।

(ग) हम उसको कल ही कहे थे ।

(घ) आप क्या पिएँगे ?

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है : *1*

(क) विद्यालय में नैतिक शिक्षा दी जाती है ।

(ख) सभा में आज बड़े-बड़े विद्वान् आए ।

(ग) वैज्ञानिक आविष्कारों से एक नया युग आ गया है ।

(घ) हमें क्रोध नहीं करनी चाहिए ।

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) इस गाँव में रहने वाले ग्रामवासी भले लोग हैं ।

(ख) देश की जनताएँ पढ़ी-लिखी हैं ।

(ग) दुर्घटना के जगह भीड़ जमा हो गई ।

(घ) आज मुझे विद्यालय में पुरस्कार मिला ।

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है : *1*

(क) फलों का मीठा रस ले आओ ।

(ख) खाने के लिए हमें खाना गरम चाहिए ।

(ग) वे बच्चे को भोजन बासी खिलाती हैं ।

(घ) अपन आजकल ठंडा पानी पीता हूँ ।

खण्ड ग

10. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

सोहत ओढ़ैं पीतु पटु स्याम, सलौनैं गात ।
मनौ नीलमनि-सैल पर आतपु पर्‌यौ प्रभात ॥
कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ ।
जगतु तपोबन सौ कियौ दीरघ-दाघ निदाघ ॥

(i) श्रीकृष्ण ने पीत वस्त्र कहाँ पर ओढ़ा हुआ है ?

(क) काले सिर पर

(ख) पतली कमर पर

(ग) साँवले शरीर पर

(घ) बड़े कंधों पर

(ii) श्रीकृष्ण के शरीर पर पीला वस्त्र कैसा लग रहा है ?

(क) जल में नीले आसमान की छाया की तरह झिलमिल

(ख) नीले आकाश में इन्द्रधनुष की तरह जगमगाता

(ग) नदी में पर्वत की छाया की तरह फैलता

(घ) नीलमणि के पर्वत पर सूरज की सुनहरी किरणों की तरह चमकता

(iii) किन प्राणियों में आपसी वैर-भाव नहीं है ?

(क) मनुष्य और घोड़े में

(ख) हिरण और बाघ में

(ग) साँप और मोर में

(घ) चूहा और बिल्ली में

(iv) आपसी वैर वाले प्राणी शत्रुता कब भूल जाते हैं ?

(क) भीषण वर्षा में

(ख) अत्यधिक गर्मी में

(ग) भूकंप आने पर

(घ) वसंत ऋतु के सुहावने मौसम में

(v) ग्रीष्म ऋतु में आकाश कैसा हो जाता है ?

(क) स्वच्छ दर्पण जैसा

(ख) घने जंगल जैसा

(ग) तपोवन जैसा

(घ) नदी-तट के समान

अथवा

विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं,
केवल इतना हो (करुणामय)
कभी न विपदा में पाऊँ भय ।
दुःख-ताप से व्यथित चित्त को न दो सांत्वना नहीं सही
पर इतना होवे (करुणामय)
दुख को मैं कर सकूँ सदा जय ।
कोई कहीं सहायक न मिले
तो अपना बल-पौरुष न हिले ॥

(i) कवि विपत्ति आने पर ईश्वर से क्या प्रार्थना करता है ?

(क) विपत्ति को दूर करने की

(ख) विपत्तियों से न डरने की

(ग) विपत्तियों को सह लेने की

(घ) विपत्तियों से दुखी न होने की

(ii) दुख से पीड़ित चित्त में कवि क्या चाहता है ?

(क) दुखों से दूर रहने का अवसर

(ख) दुखों से निराश हो जाने का अवसर

(ग) दुखों को सहने की शक्ति

(घ) दुखों को जीत सकने का साहस

(iii) दुख में कोई सहायक न मिलने पर कवि की क्या प्रार्थना है ?

(क) उसका बल-पराक्रम कम न हो

(ख) उसके मित्र उसकी सहायता करें

(ग) ईश्वर उसकी रक्षा करे

(घ) वह किसी से सहायता न माँगे

(iv) सहायता न माँगकर ईश्वर से 'करुणा का सहारा' माँगना कवि के किस भाव का सूचक है ?

(क) हठ

(ख) आत्मविश्वास

(ग) क्षमता

(घ) दैन्य

(v) कवि को ईश्वर के किस भाव पर भरोसा है ?

(क) शक्ति

(ख) सहानुभूति

(ग) सहायता

(घ) करुणा

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$

(क) 'गिरगिट' कहानी के आधार पर लिखिए कि जनरल साहब के भाई का कुत्ता जानकर ओचुमेलाव ने क्या कहा और क्यों ?

(ख) प्रकृति में आ रहे असंतुलन में बढ़ती आबादी का क्या योगदान है ? इसका क्या परिणाम हुआ है ? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ग) 'झेन की देन' में जापान में अधिकांश लोगों के मानसिक रोगी होने का क्या कारण दिया है ? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ?

(घ) 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर गांधीजी के आदर्श और व्यवहार के सम्बन्ध में ताँबे और सोने का रूपक स्पष्ट कीजिए ।

12. कर्नल सआदत अली को अवध के तख़्त पर क्यों बिठाना चाहता था ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए । 5

अथवा

'गिरगिट' कहानी के शीर्षक की सार्थकता उदाहरण-सहित स्पष्ट कीजिए ।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं । चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं । तब हम लोग उन्हें 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट'' कहकर उनका बखान करते हैं ।

पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता, बल्कि व्यावहारिकता का होता है । और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं और उनकी व्यावहारिक सूझबूझ ही आगे आने लगती है । सोना पीछे रहकर ताँबा ही आगे आता है ।

(क) शुद्ध आदर्श की तुलना किससे की गई है और क्यों ? *2*

(ख) आदर्श में व्यावहारिकता मिला देने का क्या आशय है ? इसका क्या परिणाम होता है ? *2*

(ग) सोने की अपेक्षा ताँबा आगे क्यों आ जाता है ? *1*

अथवा

दुनिया कैसे वजूद में आई ? पहले क्या थी ? किस बिन्दु से इसकी यात्रा शुरू हुई ? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है । धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से । संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है । पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है । यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव-जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं । पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है ।

(क) आशय स्पष्ट कीजिए — 'लेकिन धरती किसी एक की नहीं है ।' *2*

(ख) 'धरती कैसे वजूद में आई ?' पृथ्वी के निर्माण के बारे में किसी एक वैज्ञानिक तर्क या धार्मिक विश्वास का संक्षेप में उल्लेख कीजिए । *2*

(ग) पहले जैसा संसार अब क्यों नहीं रहा ? *1*

14. (क) ''आत्मत्राण'' कविता में कवि ने ईश्वर से क्या प्रार्थना की है ? *2*

(ख) 'कर चले हम फ़िदा जानो-तन, साथियो' कविता में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है ? *2*

(ग) बिहारी कवि के अनुसार ईश्वर का वास कहाँ होता है ? *1*

15. 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक छात्र-जीवन में छुट्टियों के लिए मिले काम को कैसे पूरा करता था । 3

अथवा

ज़हीन होने पर भी टोपी शुक्ला के एक ही कक्षा में दो बार फेल होने के कारणों पर प्रकाश डालिए ।

16. इफ़्फ़न के घर जाने के लिए मना करने पर भी टोपी नहीं माना और पिटता रहा । क्यों ? अपने शब्दों में लिखिए । 2

खण्ड घ

17. आपके क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों की रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए । 5

अथवा

आपके जन्मदिन पर मित्र अमिताभ ने एक उपहार भेजा है । उसे कृतज्ञता-ज्ञापित करते हुए एक पत्र लिखिए ।

18. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) <u>मोबाइल फोन — विज्ञान का अद्‌भुत वरदान</u>

- आश्चर्यजनक उपकरण
- जीवन में अनेक प्रकार से उपयोगी
- सदुपयोग और दुरुपयोग

(ख) <u>छोटा परिवार — सुख का आधार</u>

- परिवार कल्याण
- जनसंख्या-वृद्धि, अशिक्षा, गरीबी
- सुख का आधार कैसे

(ग) <u>अच्छा स्वास्थ्य — एक वरदान</u>

- स्वास्थ्य और शरीर
- स्वस्थ मस्तिष्क – व्यायाम
- लाभ